मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 4

BSKC–102

बी. ए. (ऑनर्स) संस्कृत

(बी. ए. एस. के. एच.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.एस.के.सी.–102 : संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक विश्लेषण

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) इस प्रश्न-पत्र में चार खण्ड हैं।*

(ii) सभी खण्ड अनिवार्य हैं।

(iii) प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत ***या*** *हिन्दी* ***या*** *अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

खण्ड —क

1. वेदों का परिचय देते हुए वेदों के रचनाकाल पर विस्तारपूर्वक लिखिए। 20

अथवा

आरण्यक ग्रंथों का संक्षिप्त परिचय देते हुए प्रमुख आरण्यकों का परिचय विस्तारपूर्वक दीजिए।

खण्ड —ख

2. रामायण का संक्षिप्त परिचय देते हुए इसके काल-निर्धारण पर विस्तारपूर्वक लिखिए। 20

अथवा

महाभारत का संक्षिप्त परिचय देते हुए महाभारतकालीन समाज पर विस्तारपूर्वक लिखिए।

खण्ड —ग

3. 'पुराण' शब्द के अर्थ को स्पष्ट करते हुए पुराणों की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। 20

अथवा

पुराणों के सामाजिक और सांस्कृतिक महत्व पर विस्तारपूर्वक लिखिए।

खण्ड—घ

4. विष्णु पुराण का विस्तृत विवेचन कीजिए। 10

अथवा

पुराणों के रचनाकाल पर विस्तारपूर्वक लिखिए।

खण्ड—ग

5. पुराण और महापुराण में अन्तर स्पष्ट कीजिए। 10

अथवा

श्रीमद्भागवतपुराण का विस्तृत विवेचन कीजिए।

6. पुराण का सामान्य परिचय देते हुए पुराणों के क्रम पर प्रकाश डालिए। 10

अथवा

अग्निपुराण का विस्तृत विवेचन कीजिए।

खण्ड – ङ

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के लघु उत्तर लिखिए :

$2 \times 5 = 10$

(क) महर्षि पतञ्जलि एवं महाभाष्य का परिचय दीजिए।

(ख) चार्वाक दर्शन का विवेचन कीजिए।

(ग) दर्शनशास्त्र की जीवन में उपयोगिता का विवेचन कीजिए।

(घ) जैन दार्शनिक आचार्य एवं उनके ग्रंथ का वर्णन कीजिए।

× × × × ×